ऐसा लग रहा है कि सेना ने नहीं, मीडिया और नेताओं ने पाकिस्तान के बंकर ध्वस्त किए हैं!

सोशल मीडिया पर आज भारतीय सेना की धूम मची हुई है। पिछले साल सितंबर की 'सर्जिकल स्ट्राइक' के बाद सेना ने एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इस बार की गई कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के बंकर ढहाए गए हैं। सेना ने खुद मंगलवार को मीडिया के सामने इस कार्रवाई का खुलासा किया। मेजर जनरल अशोक नरूला ने बताया कि यह कार्रवाई नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जम्मू-कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में की गई है। उन्होंने इस कार्रवाई से संबंधित 30 सेकेंड का वीडियो भी जारी किया है जिसे सोशल मीडिया पर खूब उत्साह के साथ शेयर किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां इस घटना पर उत्साहित मीडियाकर्मियों और राजनेताओं पर तंजभरी टिप्पणियां भी आई हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कुछ और नेताओं पर इस कार्रवाई के सबूत सार्वजनिक करने के आरोप लगे थे। सोशल मीडिया पर भारतीय सेना की ताजा कार्रवाई का जिक्र करते हुए कई लोगों ने केजरीवाल पर मजाकिया टिप्पणियां की हैं। ट्विटर पर नारायण पोद्दार ने कहा है, भारतीय सेना जितनी मर्जी वीडियो दिखा दे, जब तक केजरीवाल नहीं कहेंगे तब तक नहीं मानेंगे! उधर पाकिस्तान ने नौशेरा सेक्टर में भारतीय सेना की इस तरह की किसी भी कार्रवाई को झूठा प्रचार बताया है। सोशल मीडिया में पाकिस्तान की इस प्रतिक्रिया पर भी कई मजेदार टिप्पणियां आई हैं। इस पर अक्षय अहेर का ट्वीट है, पाकिस्तानी सेना का दावा है कि भारतीय सेना द्वारा नौशेरा में कार्रवाई की बात झूठ है। अगर संभव होता तो वे यह दावा भी कर देते कि 1965, 1971 और 1999 की घटनाएं (युद्ध में उनकी हार) भी झूठी हैं।

कश्मीर में तैनात मेजर लितुल गोगोई के बारे में भी सोशल मीडिया पर आज खूब चर्चा है। मेजर गोगोई वही सैन्य अधिकारी हैं जिन्होंने बीते अप्रैल में एक स्थानीय नागरिक को सेना की जीप के आगे बांधकर मानव ढल के रूप में इस्तेमाल किया था। मेजर गोगोई ने आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को उस घटना के बारे में विस्तार से बताया है। मेजर का कहना था कि उनके उस कदम की वजह से सैकड़ों लोग हताहत होने से बचे थे। सोशल मीडिया पर इस बात का जिक्र करते हुए मेजर गोगोई की तारीफ की जा रही है। वहीं भारतीय सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने मेजर गोगोई को कल प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया था। सोशल मीडिया पर ज्यादातर लोगों ने उन्हें इसके लिए बधाई दी है। हालांकि कुछ लोगों ने इस पर सवाल भी उठाए हैं।

इन दोनों मामलों पर सोशल मीडिया में आई कुछ और प्रतिक्रियाएं-

संत- पाकिस्तान के लिए सब-कुछ झूठ है, 1971 का आत्मसमर्पण भी झूठ है। चलिए उन्हें अपने इस झूठेपन का उत्सव मनाने दिया जाए। शाबास भारतीय सेना... अपना काम करते रहिए।

सुधाकर जोशी- भारतीय सेना ने नौशेरा में सैन्य कार्रवाई की है और आईसीजे (अंतरराष्ट्रीय न्यायालय) ने भी जाधव मामले में पाकिस्तान के खिलाफ आदेश दे दिया है। पाकिस्तान हर मोर्चे पर हार रहा है।

शकुनि मामा- ऐसा लग रहा है कि सेना ने नहीं मीडिया और नेताओं ने पाकिस्तान के बंकर ध्वस्त किए हैं!

भास्वर चटर्जी- नौशेरा में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देने के लिए भारतीय सेना को सलाम। यह कार्रवाई बताती है कि भारत आतंकवाद के सामने नहीं झुकेगा।

हरिंदर बावेजा- बीएसएफ के जिस जवान ने फेसबुक के जरिए खराब खाने की शिकायत की थी उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। जबकि यहां मेजर गोगोई टीवी पर विस्तार से अपनी बात रख रहे हैं। यह सरकार निश्चितरूप से हमारी सेना का राजनीतिकरण कर देगी।

नितिन ए गोखले- अगर मेजर गोगोई के साथी पत्थरबाजों पर फायरिंग कर देते और इसमें कुछ लोग मारे जाते तो आज जो लोग मेजर की आलोचना कर रहे हैं, वे ही सबसे पहले इस पर शोर मचाते। (सत्याग्रह)

I went to buy fruits in a Noida Market today. The pavement fruit seller had brought the prices down considerably on all items. I asked him why? The answer was interesting. All the Policemen who had paid for a posting in Noida had been transferred out. Hafta Payment all the way to the top has stopped. PCRs involved in that activity are actually manning the traffic. There is a perceptible Yogi Fear as he actually became the first CM in a decade to visit Noida

-Madhup Mohta

कांग्रेस ने सही कहा है भाजपा जब तक हिंदूराष्ट्र की मनोदशा में है तब तक कश्मीर की समस्या सुलझ नहीं सकती।

-जगदीश्वर चतुर्वेदी

सभी योग्य पुरस्कृत नहीं होते, सभी पुरस्कृत योग्य नहीं होते।

- जयप्रकाश मानस

झोपड़ियां!

झोपड़ियों!
तुम्हे बने रहने का अधिकार नहीं
तुम्हें जलना होगा
तुम्हे उजड़ना होगा
तुम हो तो
जंगल है
आदिवासी है
गंदी बस्ती है
गन्दे लोग है
तुम
बदनुमा धब्बा हो
डिजिटल इंडिया की
राह का रोड़ा हो
आधुनिक विकास की
झोपड़ियां
तुम जहां खड़ी हो
लोहा, कोयला, सोना,
जैसी कीमती वस्तुएं
दबा रखी है तुमने नीचे
झोपड़ियां
तुम्हें उखड़ना होगा
झोपड़ियां!
चमचमाती सड़कों का
भारी भरकमवाहनों का
आलीशान इमारतों का
विशाल कारखानों का
तुम्हे रास्ता रोकने का हक नहीं
तुम्हें उजड़ना होगा
वरना समूल नष्ट कर दिए जाओगे
अपना आश्रय देने वालों के साथ
एक न एक दिन

-संकेत ठाकुर

खबर है कि बीजेपी रजनीकांत में शामिल होने वाली है...

स्वामी ओम की पिटाई, हाथ में लेकर भागे विग

नई दिल्ली, 24 मई (जागरण)। अपनी कारगुजारियों को लेकर चर्चा में रहने वाले स्वामी ओम को दिल्ली के विकास नगर में एक समारोह के दौरान लोगों ने जमकर पीटा। ओम को विग हाथ में लेकर भागना पड़ा। आक्रोशित लोगों ने उनकी कार के शीशे तोड़ दिए। कार्यक्रम के आयोजक ने ओम पर महिलाओं के साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित शिकायत दी है।

पुलिस के अनुसार, विकास नगर की एक वाटिका में शुक्रवार शाम नाथूराम गोडसे की जयंती पर कार्यक्रम था। इसमें ओम को भी बुलाया गया था। उनको मंच पर बुलाकर उन्हें माला पहनाई गई। इसी बीच एक महिला ने आपत्ति जताई तो ओम भड़क गए और उसे बुरा भला कहना शुरू कर दिया। आयोजकों ने ओम को शांत कराया और मंच के नीचे एक कुर्सी पर बिठाया। इस दौरान महिला और ओम के बीच कहासुनी होती रही। गाली गलौज करते हुए वह वहां से जाने लगे।

इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और ओम की पिटाई कर दी। इस दौरान उनका विग भी नीचे गिर गया। वह हाथ में विग उठाकर भागे तो लोगों ने दौड़ा लिया। उनकी कार के शीशे तोड़ डाले।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ओम ने फोन पर मारपीट की सूचना दी थी, लेकिन अभी तक कोई शिकायत नहीं दी है। वहीं कार्यक्रम के आयोजक अजय त्यागी की ओर से रणहौला में शिकायत दी गई है जिसमें उन्होंने ओम पर महिलाओं से बदतमीजी करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। अभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

बिग बॉस सीजन 10 में शामिल प्रतिभागी स्वामी ओम खुद को संन्यासी बताते हैं। हालांकि उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

हर रोज थोड़ी-थोड़ी शराब से भी हो सकता है स्तन कैंसर- रिपोर्ट

नई दिल्ली, 24 मई (बीबीसी)। शराब और स्तन कैंसर के संबंध पर नए सबूत सामने आए हैं। वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, हर रोज आधा ग्लास वाइन या एक छोटी बीयर पीने से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि रोजाना व्यायाम से इस जानलेवा बीमारी का खतरा कम किया जा सकता है।

भारत में हर साल स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं की संख्या में प्रति एक लाख में से तीस की औसत से इजाफा हो रहा है। ब्रिटेन में भी यह महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है। वहां हर आठ में से एक महिला अपने जीवनकाल में एक बार जरूर स्तन कैंसर की चपेट में आती है लेकिन वैज्ञानिक अब तक यह बताने में नाकाम हैं कि कुछ लोगों को कैंसर क्यों होता है और कुछ को नहीं। इसके पीछे लाइफ स्टाइल से लेकर हॉर्मोन का स्तर और दूसरी मेडिकल स्थितियां भी होती हैं। दरअसल यह बहुत जटिल है और सिर्फ एक फैक्टर पर फोकस करना ठीक नहीं। कुछ फैक्टर हैं जिन पर आपका नियंत्रण नहीं होता। मसलन, लिंग, उम्र, लंबाई, जीन और पीरियड्स शुरू होने का समय।

अगर आप 50 से ज्यादा उम्र की महिला हैं, आपकी माहवारी बंद हो चुकी है और आपके परिवार में स्तन कैंसर का इतिहास है तो आप भी खतरे में हैं। ज्यादा लंबाई और 12 की उम्र से पहले पीरियड्स शुरू होने को भी जोखिम बढ़ाने वाला माना जाता है। कैंसर रिसर्च यूके ने स्तन कैंसर की संभावित 18 वजहें बताई हैं।

शराब उनमें से एक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाएं संतुलित आहार, संतुलित वजन और व्यायाम के जरिये स्तन कैंसर के खतरे को कम कर सकती हैं।100 से ज्यादा अध्ययनों के विश्लेषण के आधार पर यह रिपोर्ट बनाई गई। इन अध्ययनों में 1.2 करोड़ महिलाओं की मेडिकल हिस्ट्री का अध्ययन किया गया था। वैज्ञानिकों को पर्याप्त सबूत मिले कि हर रोज एक छोटा ग्लास वाइन (10 ग्राम अल्कोहल), मासिक धर्म बंद होने के बाद महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को 9 फीसदी बढ़ा देता है। इसका मतलब है कि 100 महिलाओं के समूह में करीब 13 को स्तन कैंसर हो सकता है। और अगर वे सभी रोजाना एक अतिरिक्त छोटा ग्लास वाइन पिएं तो इस समूह में एक मरीज की संख्या और बढ़ सकती है।

कोलकाता में कश्मीर जैसा सीन, पत्थरबाज बने वामपंथी, पुलिस को सड़क पर लिटा कर बेरहमी से पीटा

कोलकाता, 24 मई (जनसत्ता)। सोमवार को सेंट्रल कोलकाता में कश्मीर जैसा हाल दिखा। यहां भी पत्थरबाजी, आंसू गैस के गोले छोड़ने और लाठीचार्ज देखने को मिला। एक तरफ जहां लेफ्ट बंगाल में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश कर रहा था, वहीं पुलिस उन्हें तितर-बितर करने में जुटी थी। एक मौके पर पुलिस ने पत्रकारों से भी मारपीट की। मायो और नई दिल्ली रोड के चौराहे पर कुछ वामपंथ समर्थकों ने एक पुलिस अफसर को लिटाकर उसे बांस के डंडे से बुरी तरह पीटा और उसके लात-घूंसे भी मारे।

समलैंगिकता के आरोप में सरेआम कोड़े

इंडोनेशिया, 24 मई (बीबीसी)। इंडोनेशिया के आचे प्रांत में दो पुरुषों को समलैंगिक संबंध रखने के आरोप में 85-85 कोड़े मारने की सजा दी गई है। तस्वीर में आपको एक शख्स नजर आ रहा है, जिसे कोड़े मारे जा रहे हैं।

ये दोनों पुरुष की उम्र 20 और 23 साल आंकी गई है, इन लोगों को स्थानीय लोगों ने बीते मार्च एक साथ बिस्तर पर आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था। हालांकि इनकी पहचान नहीं हो पाई है। इंडोनेशिया में समलैंगिकता गैर कानूनी नहीं है, लेकिन आचे प्रांत देश का इकलौता ऐसा प्रांत है जो इस्लामिक नियमों से चलता है।

वैसे ये पहला मौका है जब प्रांत में किसी समलैंगिक शख्स को शरिया कानून के तहत सजा दी गई है। इन दोनों को एकेह की राजधानी बांदा के स्थित एक मस्जिद के बाहर दिया गया। जब इन दोनों को सजा सुनाई जा रही थी तब वहां कई लोग खड़े होकर खुशी जाहिर कर रहे थे।

एक ने बताया कि ऐसे लोगों को सबक मिलना चाहिए और दूसरे ने कहा कि इन्हें और कठिन सजा मिलनी चाहिए। इससे पहले सजा देने वालों ने स्थानीय लोगों से अपील की थी कि वे कानून को अपने हाथ में नहीं लें क्योंकि ये दोनों भी इंसान हैं।

कोड़े मारे जाने से पहले मैं इनमें से एक शख्स से मिला। वो काफी डरा हुआ था। मैंने ये सोचा था कि हमें अकेले में मिलने का मौका मिलेगा लेकिन वहां काफी सारे लोग मौजूद थे।

रहें न रहें हम-महका करेंगे, ऐसे थे मजरूह सुल्तानपुरी

पेज 16 से आगे

उनकी ये मशहूर गजल उसी जमाने की है... जाहिर है कि प्रगतिशील लेखक संघ जो सज्जाद जहीर और मुंशी प्रेमचंद ने बनाया था, उन दिनों इसका मकसद अंग्रेजों से मुल्क को आजाद करने का ही था...

मजरूह फिल्मों में गीत जरूर लिखते रहे लेकिन हमेशा ये भी कहते रहे कि अपने गीतों को मैं अपनी शायरी नहीं कह सकता। यहां तक कि जब कभी मुशायरों में किसी गीत की फरमाइश होती थी तो कभी नहीं सुनाते थे कहते थे ये गीत आप लता मंगेशकर से सुनिएगा मुझसे मेरी गजल सुनिए...

बात लता कि निकल आई तो पेश है मजरूह कि एक नज्म जो उन्होंने लता मंगेशकर के लिए लिखी थी...

मेरे लफ्जों को जो छू लेती है आवाज तेरी
सरहदें तोड़ के उड़ जाते हैं अशआर मेरे
तुझको मालूम नहीं, या तुझे मालूम भी हो
वो सियाह-बख्त जिन्हें गम ने सताया बरसों
एक लम्हे को जो सुन लेते हैं नगमा तेरा
फिर उन्हें रहती है जीने कि तमन्ना बरसों
जिस घड़ी डूब के आहंग में तू गाती है
आयतें पढ़ती हैं साजों पे सदा तेरे लिए
दम-ब-दम खैर मनाते हैं तेरी चंगो-रबाब
सीना-ए-नै से निकलती है दुआ तेरे लिए
नगम-ओ-साज के जेवर से रहे तेरा सिंगार
हो तेरी मांग में तेरे ही सुरों कि अफशां
तेरी तानों सी तेरी आंख में काजल की लकीर
हाथ में तेरे ही गीतों की हिना हो रकसां

मोहम्मद मेहदी साहब एक और बड़ा दिलचस्प किस्सा मजरूह और साहिर के झगड़े का सुनाया करते थे। हुआ यूं कि साहिर कि मां की बीमारी का तार साहिर को मिला। साहिर उन दिनों किसी फिल्म के गाने लिख रहे थे, उनकी कुछ समझ में नहीं आया तो वो मजरूह के पास आए और कहा कि तुम मेरी फिल्म के बाकी बचे दो-तीन गाने लिख दो और गानों की रिकॉर्डिंग के वक्त स्टूडियो में डायरेक्टर कि मदद के लिए हाजिर रहना, जाहिर है कि मामला साहिर कि मां की बीमारी का था और मजरूह ने कहा ठीक है तुम जाओ मैं तुम्हारा काम संभाल लूंगा।

साहिर चले गए और ज्यादा दिनों के लिए मां के पास रुक गए। वापस आये और जब उन्हें उनके फिल्मी गीतों का पेमेंट मिला तो वो पैसे लेकर मजरूह के पास गए और उन्हें उनके लिखे तीन गानों के पैसे देने लगे, मजरूह ने इंकार कर दिया कि नहीं मैं पैसे नहीं लूंगा।

लेकिन साहिर अड़े हुए थे कि नहीं तुम्हें पैसे लेने पड़ेंगे। जब झगड़ा काफी बढ़ गया तो दोनों मेरे पास आए, साहिर कहने लगे देखो मेहदी ये मुझसे पैसे नहीं ले रहा है। मैंने सारा किस्सा सुना और कहा कि साहिर मजरूह अगर पैसे नहीं ले रहा है तो क्या गलत कर रहा है, आखिर उसने अपने दोस्त की मदद ही की है, और अब तुम उसे पैसे दोगे तो ये तो बहुत गलत बात है। खैर साहिर कि समझ में बात आ गई और ये झगड़ा खत्म हुआ। तो ऐसे थे मजरूह सुल्तानपुरी। (फर्स्टपोस्ट)

गाय के लिए एम्बुलेंस के दौर में रोज करीब...

पेज 7 से आगे

बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था क्राई के मुताबिक, 2011 की जनगणना के मुताबिक देश में 18 साल की उम्र के बच्चों की संख्या करीब 45 करोड़ है। स्कूल जाने की उम्र वाला हर चार में से एक बच्चा स्कूल से बाहर है। करीब 10 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर हैं, जिन्हें स्कूलों में होना चाहिए। सौ में से सिर्फ 32 बच्चे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर पाते हैं। केवल दो प्रतिशत स्कूल ऐसे हैं जो क्लास एक से 12 तक की पूरी शिक्षा दे पाने की स्थिति में हैं।

जनगणना 2011 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 5 से 14 साल की उम्र के एक करोड़ से ज्यादा बच्चे बाल मजदूरी और शोषण का शिकार हैं। पांच से 18 साल की उम्र वाले करीब साढ़े तीन करोड़ बच्चे ऐसे हैं जो बाल मजदूरी में लगे हैं। देश के विभिन्न इलाकों में लगभग आधे बच्चे श्रम में लगे हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक, हर आठवें मिनट में एक बच्चा अपहरण जैसे अपराधों के चलते गायब होता है। ब्यूरो के 2014 के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस वर्षों में बच्चों के प्रति अपराध का प्रतिशत पांच गुना बढ़ गया। क्राई के मुताबिक, बच्चों के स्वास्थ्य के मामले में भारत की हालत सबसे बदतर है। भारत में 54 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, एक साल तक के बच्चों की मौतों के मामले में उत्तर प्रदेश पूरे देश में टॉप पर है। बिहार के बाद सबसे ज्यादा ठिगने बच्चे उत्तर प्रदेश में ही हैं। उत्तर प्रदेश में पांच साल तक के 46.3 फीसदी बच्चे ठिगनेपन का शिकार हैं। कुपोषण का एक दूसरा प्रकार उम्र के हिसाब से वजन न बढ़ना है, इसमें भी उत्तर प्रदेश के 39.5 प्रतिशत बच्चे सामने आए हैं, जबकि भारत में अभी 35.7 प्रतिशत बच्चे कम वजन के हैं। यानी उत्तर प्रदेश में स्थिति राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है।

ये आंकड़े पेश करने के बाद सरकारों ने क्या किया? सरकारें मरते बच्चों का आंकड़ा पेश करके गाय बचाने में मशगूल हो गईं। उन्होंने गाय लाने, ले जाने, काटने, खाने आदि पर बहुत कड़े कानून बनाए। गोशालाएं बनाईं। गाय के एम्बुलेंस चलवाईं। लेकिन मरने वाले बच्चे तो आपके हैं। आपने सरकार चुनी है। आप सरकार से सवाल क्यों नहीं पूछते? (द वायर)

मिनी सुडोकू-2917 का हल

1	4	3	6	5	2
5	6	2	1	3	4
6	1	5	2	4	3
2	3	4	5	6	1
3	2	6	4	1	5
4	5	1	3	2	6

छत्तीसगढ़ शब्द पहेली क्रमांक-4056 का सही उत्तर

रा	म	लिं	गा	रा	जू		चा	क	र
	जे		य		ना	वि	क		ब
बो	दा		ब	द		द्या		ज	ड़ी
ग	र				हा	सि	ल		
स				च		न्हा		ए	
	चि			मा			वि	क्ट	री
सं	त	वे	लें	टा	इ	न		र	
	चो				स				झो
प	र	वा	ह		लि			शो	ला
		र	ट		ए	का	ए	क	

गणित का चौराहा - 2976

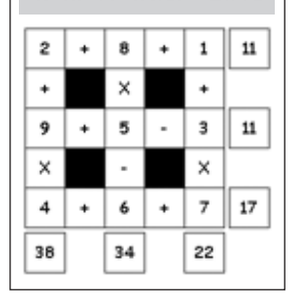

अंक जाल- 2966 का हल

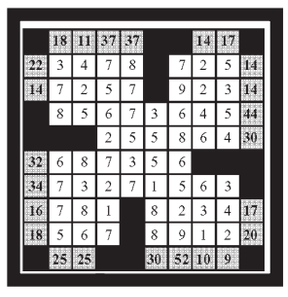

सुडोकू- 4056 का हल (M)

2	9	3	7	8	4	1	5	6
8	5	1	9	2	6	7	4	3
4	7	6	3	5	1	9	2	8
6	4	9	5	3	8	2	1	7
7	1	8	4	9	2	6	3	5
5	3	2	1	6	7	4	8	9
9	2	4	8	7	5	3	6	1
1	8	7	6	4	3	5	9	2
3	6	5	2	1	9	8	7	4

Name, Fame and Game-3976 Solution

अगर आप कुछ नाम ढूंढ न पाए हों तो यहां दिए गए उत्तरों की मदद लें। नामों को आड़ी और खड़ी कतारों के नंबर व उनकी दिशा के आधार पर ढूंढें

(Over,Down,Direction)
AMRAHANE(9,8,NW)
BASTOKES(11,18,E)
BBMCCULLUM(14,14,SW)
DAWARNER(1,12,E)
GGAMBHIR(9,1,SE)
GJMAXWELL(7,18,NE)
HMAMLA(11,5,W)
KAPOLLARD(9,9,NW)
KDKARTHIK(10,14,N)
MKPANDEY(13,14,SW)
MKTIWARY(1,10,NE)
NRANA(18,5,N)
PAPATEL(13,8,SW)
RATRIPATHI(4,15,S)
RGSHARMA(17,11,N)
RRPANT(7,24,NW)
RVUTHAPPA(18,19,W)
SDHAWAN(12,10,SE)
SKRAINA(1,15,S)
SPDSMITH(5,14,S)
SVSAMSON(16,4,W)